Class - P.G-1st sem
Paper - 1
Topic - **संदर्भ समूह (Reference Group)**

संदर्भ समूह दो शब्दों से मिलकर बना है - 'संदर्भ' और 'समूह'। सामाजिक समूह की परिभाषा मैकाइवर तथा पेज ने इस प्रकार दी है - " समूह से हमारा तात्पर्य व्यक्तियों के उस संकलन से है, जो एक दूसरे के साथ सामाजिक सम्बन्ध रखते हैं। 'संदर्भ' शब्द का अभिप्राय है, जो संदर्भ रहे अर्थात् जिसकी ओर उन्मुख हुआ जाए या जिसे आधार माना जाए। साधारण अर्थों में संदर्भ समूह वह समूह है जो किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के लिए संदर्भ (Reference) हो।
रोज ने संदर्भ समूह की परिभाषा देते हुए लिखा कि " वह मूल्य, जिन्हें व्यक्ति अपने व्यवहार के निर्देशन के लिए चयन करता है, विशेष रूप से उन स्थितियों में जबकि उसे चयन का अवसर मिलता है, के स्रोतों की ओर संकेत करता है।"
रोज की परिभाषा से स्पष्ट है कि संदर्भ समूह वह है जो व्यक्ति के व्यवहार को निर्देशित करता है। उस समूह का चयन व्यक्ति स्वयं करता है। वह उस व्यक्ति का संदर्भ समूह होता है।
मर्टन का कहना है कि " तत्कालिक रूप से संदर्भ समूह सिद्धांत उन समूहों से सम्बन्धित है, जिनका कि व्यक्ति सदस्य नहीं है, फिर भी अपने को उससे संबन्धित करता है।"

संदर्भ समूह के प्रकार (Types of Reference Group)

संदर्भ समूह दो प्रकार के होते हैं - (1) सकारात्मक संदर्भ समूह Positive Reference Group) (2) नाकारात्मक संदर्भ समूह (Negative Reference Group)।
साकारात्मक संदर्भ समूह वे समूह होते हैं, जिनसे व्यक्ति अपने व्यवहार को निर्देशित करता है और उसके मूल्यों को स्वीकार करता है।
नाकारात्मक संदर्भ समूह वे हैं जिनसे व्यक्ति अपने व्यवहार को निर्देशित नहीं करता और उनके मूल्यों के विरुद्ध व्यवहार करता है।

संदर्भ समूह के प्रकार्यात्मक प्रकार (Functional Types of Reference Group) —

इसके प्रकार्यात्मक प्रकार मुख्यत: दो हैं -
(1) आदर्शात्मक प्रकार (Normative Type) (2) तुलनात्मक प्रकार Comparison Type).
आदर्शात्मक प्रकार - ये संदर्भ समूह व्यक्ति के लिए

Ajanta Officer

Scanned with CamScanner